

Signature and Name of Invigilator

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

1. (Signature) _____
(Name) _____

2. (Signature) _____
(Name) _____

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

J-4307

**PAPER – III
RAJASTHANI**

[Maximum Marks : 200

Time : 2½ hours]

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 26

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.
No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. केवल नीले / काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
10. गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

RAJASTHANI

राजस्थानी

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : औ प्रश्न पत्र दो सौ (200) अंकां सै है अर इणमें चार (4) खण्ड है। परीक्षार्थिया नै इणमें दीमोड़ा सवालां स जवाब हरेक खण्ड में दियोड़ा निर्देशां मुजब देवणा है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 Marks)

नोट : इण खण्ड मांय नीचै लिखियें गद्यांश माथै आधारित पाँच (5) सवाल है। हरअेक सवाल रौ जवाब लगैटौ तीस (30) सबदां मांय देवणौ है। हरअेक सवाल पाँच (5) अंकां रौ है।

(5x5=25 अंक)

“फूल मांय कीड़ो क्यूं लाग जावै? दीवैरी जोत काळख क्यूं अूगळै? बणराय मांय दावानक क्यूं परजळै? जिण सुरसरी री पवित्र धार गंगोत्री मांय इमरत बव फूटै, उणमांय ही आगै समंदमिलावै मांय लूण कुण घोळ देवै? कुण वा ठगणी जो पड़दै ओलै रह अणूता खेल खेलै? इमरत मांय जहर घोळै? रमतिया तोड़ै? उण रौ नाम कुण कोनी जाणै? दो आखरां रौ नाम-माया, जो अपणी खूंट मांय लोक अर परलोक नैं समेट मिनख रै सगळै करम-धरम नैं लपेटै। जो सब नैं नचावै-भरमावें अर ज्ञान-ध्यान नसावै। जिण सूं बड़ा-बड़ा जती-सती भी पार नीं पावै। कांई है या माया? फकत एक इंदरजाळ? राम रै खेत नैं चुगती चिड़कल्यां नैं भगावण नैं खड्यौ कर्योड़ो एक अडवो? तानतोड़तै - तमूरै री एक टेक? अक या है कोई सांगोपांग ठोस चीज, जीवण मांय दरसै है जिण रौ रूप, जिण रौ रंग? माया रा रंग अथाह, रूप अपरंपार। कोई उण नैं फळविटूणै सेमळ रै फूल रूप देखै, कोई नैं बा म्रिगजळ रै रूप भासै। कोई सीप मांय चांदी रै भरम नैं ही माया समझै। कोई-नैं काळ रौ बिकराळ रूप धर डरावै तो कोई नैं कामण रै रूप लुभावै - भरमावै। माया रा सहस नाम।”

ऊपर लिख्यै गद्य-अवतरण रै आधार माथै नीचै लिख्या सवालां रा पडूत्तर देवौ -

1. मिनखजमारै मांय माया रै माया-जाळ रौ खुलासौ करौ।

2. माया रौ सरूप उजागर करौ।

3. इण गद्यांश रै आधार माथै लेखक री भाषा-शैली री विशेषतावां उजागर करौ।

4. कुदरत रै न्यारा - न्यारा रूपां री रचना रौ काई भेद (रहस्य) है? संक्षेप मांय उजागर करौ।

5. माया री छाया सूं मुगति पावण रौ उपाव उजागर करौ।

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 Marks)

नोट : इण खण्ड मांय पन्दरै (15) सवाल है। हरअेक सवाल रौ जवाब लगैटगै तीस (30) सबदां मांय देवौ। हरअेक सवाल पांच (5) अंकां रौ है।

(5x15=75 अंक)

6. काव्य दोष सू आप काई समझौ?

7. देशज शब्द रौ काई मतळब है? उदाहरण सेती समझाओ।

8. 'अचलदास खीची री वचनीका' रै अंगीरस रौ खुलासौ करावौ।

9. वीटू सूजा कृत 'छंद राउ जइतसी रउ' में किण रै बीच जुध हुयौ? अर पराजय किण री हुई?

10. 'ढोला-मारू रा दूता' में मरवण रै विरह वरणाव री मौलिकता बाबत टिप्पणी लिखौ।

11. महाराजं चतुरसिंहजी रै काव्य रौ मूळ विषय काई है? उजागर करौ।

12. गणेशीलाल व्यास 'उस्ताद' रै काव्य रै मूळ भाव रौ खुलासौ करावौ।

13. विष्णोई सम्प्रदाय में विष्णु रे क्रिण रूप रे आराधना रे विधान है? उजागर करौ।

14. राजस्थान रा खास-खास कहांणीकारां रा नाम लिखौ।

15. राणी लक्ष्मीकुमारी चूण्डावत रै कथा-साहित्य री खास विषय वस्तु काई है?

16. जयाचार्य री राजस्थानी साहित्य नै काई देन है?

17. राजस्थानी 'लूर काव्य' री ओळखाण करावौ ।

18. राजस्थानी निबन्ध साहित्य माथै ओळखाड़ू टिप्पणी लिखौ ।

19. अन्नाराम सुदामा रै राजस्थानी उपन्यासांरा नाम लिखौ ।

20. राजस्थानी भाषा रौ उद्भव कुणसी अपभ्रंश सूं अर कदै ह्यौ? समझावौ ।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about 200 words.

(12x5=60 marks)

नोट : इण खण्ड मांय पांच (5) सवाल है। हरेक सवाल रौ जवाब लगैटगै दो सौ (200) सबदां मांय देवौ। हरअेक सवाल बारह (12) अंकां रौ है।

(12x5=60 अंक)

21. राजस्थानी भाषा री खास-खास बोलियां गिणाय 'र किणी दो बोलियां री अजरी-ओपती ओळखाण करावौ।
22. 'हालाँ-झालाँ रा कुण्डलिया' री काव्यगत विशेषतावां उदाहरण सेती उजागर करावौ।
23. आधुनिक राजस्थानी गद्य री खास-खास विधावां रा नांव गिणावतां थकां किणी अेक महतारू विधा री सांगोपांग ओळखाण करावौ।
24. राजस्थानी लोकगीतां रौ वर्गीकरण करतां थकां उणा री खास-खास विशेषतावां उदाहरण सेती उजागर करावौ।
25. नीचै लिखी काव्यकृतियां मांय सूं किणी अेक रै भाव पक्ष रौ विरोळ करावौ।

(क) रधा (ख) लू (ग) मानखौ

SECTION - IV

खण्ड-IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इण खण्ड मांय चाळीस (40) अंकां रै अेक निबन्धात्मक सवाल है जिणरौ जवाब, निम्नलिखित विसयां मांय सूं फगत अेक रै, लगैटगै अेक हजार (1000) सबदां मांय देवौ।

(40x1=40 अंक)

26. नीचै लिखा मांय सूं किणी अेक विसय माथै राजस्थानी भाषा मांय आलेख लिखावौ :

- (क) राजस्थानी लोकगीतां मांय पंखेरूवां रै वरणाव।
- (ख) राजस्थानी दूहा साहित्य रै वर्गीकरण अर उण री विशेषतावां।
- (ग) राजस्थानी री राम भगति काव्य-परापरी।
- (घ) राजस्थानी लोक कथावां मांय मध्यकालीन जन-जीवण अर लोक-संस्कृति रै वरणाव।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation) Date